Australian Government | Australian Charities and Not-for-profits Commission

प्रशासन मानक

प्रशासन मानक इस बारे में बताते हैं कि ACNC पंजीकृत दान-संस्था को कैसे संचालित किए जाने की आवश्यकता है। वे दान-संस्था की प्रक्रियाओं, गतिविधियों और रिश्तों को कवर करते हैं। पंजीकृत होने और बने रहने के लिए, दान-संस्था को इन मानकों को पूरा करने की आवश्यकता है।

मानक उच्च-स्तरीय सिद्धांतों को दर्शाते हैं, ये कठोर चरण-दर-चरण नियम नहीं हैं, इसलिए हर दान-संस्था अपने आकार, उद्देश्य और गतिविधियों के अनुसार उचित कार्यों को चुनती है।

वे दान-संस्थाओं को धर्मार्थी बने रहने, कानूनी रूप से काम करने, और जवाबदेह एवं ज़िम्मेदार बने रहने में मदद करते हैं। वे लोगों के विश्वास को बनाए रखने में भी मदद करते हैं ताकि दान-संस्था को अपने अच्छे काम के लिए सहायता मिलती रहे। निश्चित मानदंडों को पूरा करने वाली कुछ धार्मिक दान-संस्थाओं को इन मानकों का अनुपालन करने की जरूरत नहीं है।

छह प्रशासन मानक हैं।

प्रशासन मानक 1 के अनुसार दान-संस्था एक गैर-लाभ संस्था बनी रहनी चाहिए और इसे अपने धर्मार्थ उद्देश्य के लिए काम करते रहना चाहिए— जैसे कि शिक्षा, धर्म, ज़रूरतमंद लोगों की मदद करना, या पर्यावरण की रक्षा करना।

इस मानक को पूरा करने के लिए, दान-संस्था को अपने प्रशासी दस्तावेज़ में अपने उद्देश्य के बारे में स्पष्ट रूप से बताने की जरूरत है, जिसे संविधान, मॉडल नियम या ट्रस्ट डीड भी कहा जा सकता है। इसे रोज़ाना अपने उद्देश्य के अनुरूप काम करना चाहिए और लोगों के लिए भी इस उद्देश्य के बारे में जानना आसान बनाना चाहिए, जैसे कि दान-संस्था की वेबसाइट या सोशल मीडिया, या ACNC चैरिटी रजिस्टर पर प्रशासी दस्तावेज़ प्रकाशित करके।

प्रशासन मानक 2 सदस्यों के प्रति जवाबदेही से संबंधित है।

यदि किसी दान-संस्था के सदस्य हैं, तो इसे सदस्यों को अपने प्रश्न पूछने, अपनी चिंताएँ व्यक्त करने और दान-संस्था के संचालन के बारे में सूचित रहने के वास्तविक अवसर देने के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। इसमें वार्षिक रूप से मीटिंग करना शामिल हो सकता है, जहाँ सदस्य प्रश्न पूछ सकते हैं या महत्वपूर्ण मुद्दों पर वोट कर सकते हैं। इसका अर्थ गतिविधियों और वित्तीय मामलों के बारे में

जानकारी साझा किए जाना और सदस्यों द्वारा दान-संस्था के संचालन संबंधित अपनी चिंताएँ व्यक्त करने, और बोर्ड या कमेटी सदस्यों की नियुक्ति के लिए स्पष्ट और सरल प्रक्रियाओं के होने से भी हैं।

प्रशासन मानक 3 ऑस्ट्रेलियाई कानूनों के अनुपालन के बारे में बताता है।

यह आवश्यक है कि दान-संस्था किसी भी गंभीर अपराधों या मुख्य बड़े सिविल उल्लंघनों में शामिल न हो। समस्याओं के जोखिम को दान-संस्था के काम पर लागू होने वाले मुख्य कानूनों के बारे में जानकर, दान-संस्था के फंड और संपत्ति की सुरक्षा करके, और कानूनी दायित्वों को पूरा करने के लिए एक सरल चेकलिस्ट का इस्तेमाल करके कम किया जा सकता है। ACNC लोगों के विश्वास को नुकसान पहुँचाने वाले गंभीर मुद्दों जैसे कि धोखाधड़ी या धन शोधन पर ध्यान केंद्रित करता है, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि ज़िम्मेदारियों को समझा जाए।

प्रशासन मानक 4 यह सुनिश्चित करता है कि बोर्ड के सदस्य – जिन्हें ACNC 'जिम्मेदार लोग' कहता है – अपनी भूमिकाओं के लिए उपयुक्त हैं।

ये प्रशासीय निकाय के वे लोग हैं जो दान-संस्था को सही ढंग से संचालित करने की ज़िम्मेदारी निभाते हैं। दान-संस्था को यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि उसके बोर्ड के लोगों को दान-संस्था को संचालित करने की अनुमति है। ऐसा करने के लिए, दान-संस्था को दो पब्लिक सूचियों को जाँचना चाहिए—पहला ASIC से, जो स्वतंत्र ऑस्ट्रेलियाई सरकारी निकाय है, और दूसरा ACNC से — जो ऐसे लोगों के बारे में बताता है जिन्हें किसी दान-संस्था या कंपनी के संचालन की अनुमति नहीं है।

इन्हें अयोग्य व्यक्ति (डिसक्वालिफाइड पर्सन्स) रजिस्टर्स कहा जाता है। दान-संस्था को बोर्ड के प्रत्येक सदस्य को एक फॉर्म पर भी साइन करने के लिए कहना चाहिए जिसमें यह लिखा हो कि वे अयोग्य नहीं हैं। यदि बाद में बोर्ड का कोई भी सदस्य अयोग्य पाया जाता है, तो दान-संस्था को उस व्यक्ति को उसकी भूमिका से हटाने के लिए कदम उठाने की आवश्यकता है।

प्रशासन मानक 5 के अनुसार ज़िम्मेदार लोगों को मुख्य कामों को समझने और उनका अनुपालन करने की जरूरत है।

इनमें सावधानी और परिश्रम से कार्य करना, दान-संस्था के श्रेष्ठ हितों के लिए ईमानदारी और निष्पक्षता से कार्य करना, अपने पद या जानकारी का गलत इस्तेमाल न करना, हितों के टकराव की घोषणा करना, दान-संस्था के वित्त को जिम्मेदारी से प्रबंधित करना और यह सुनिश्चित करना शामिल है कि यदि दान-संस्था दिवालिया हो जाती है तो तब भी यह कार्यरत न रहे।

ये कर्तव्य बुनियादी अखंडता और सामान्य बोध को दर्शाते हैं। इस मानक को पूरा करने के लिए, दान-संस्था अपने बोर्ड के सदस्यों को मार्ग निर्देशन या प्रशिक्षण दे सकती है, नियुक्ति पत्र या बोर्ड चार्टर में कर्तव्यों की रूपरेखा के बारे में बता सकती है, अच्छे मीटिंग अभ्यासों को बढ़ावा दे सकती है, और वित्तीय प्रबंधन एवं हितों के टकराव के निपटान के लिए सरल प्रक्रियाएँ बना सकती है। इसका अर्थ यह भी है कि यदि कर्तव्य निभाए नहीं जा रहे हैं तो कार्रवाई करना।

प्रशासन मानक 6 नेशनल रिड्रेस स्कीम (राष्ट्रीय निवारण योजना) से संबंधित है— यह बाल यौन शोषण पर संस्थागत प्रतिक्रियाओं पर रॉयल कमीशन के जवाब में स्थापित ऑस्ट्रेलियाई सरकारी कार्यक्रम है। यह संस्थागत बाल यौन शोषण का सामना करने वाले लोगों की सहायता करता है।

यदि किसी दान-संस्था को नेशनल रिड्रेस स्कीम के तहत संस्थागत बाल यौन शोषण में शामिल होने के तौर पर पहचाना जाता है, या पहचाना जा सकता है, तो इसे आमतौर पर छह महीने के अंदर, सहभागी गैर-सरकारी संस्था बनने के लिए सही कदम उठाने की आवश्यकता होगी। दान-संस्था को योजना के किसी भी अनुरोध के साथ सहयोग करने और एक बार जुड़ने के बाद इसी में बने रहने की आवश्यकता है। इस मानक का उद्देश्य चैरिटी सेक्टर में लोगों के भरोसे और विश्वास को बनाए रखना है।

व्यावहारिक प्रशासन अभ्यास

कुछ ऐसे व्यावहारिक अभ्यास हैं, जिनके अनुपालन से सुप्रशासन को दैनिक तौर पर आसान बनाया जा सकता है।

एक बढ़िया शुरुआत के रूप में दान-संस्था के प्रशासन दस्तावेज़ को अपडेट रखना और ACNC चैरिटी रजिस्टर पर इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करना शामिल है।

दान-संस्था के काम करने के तरीके में जवाबदेही शमिल करना भी महत्वपूर्ण है। इसमें स्पष्ट रूप से दस्तावेजीकरण, वित्तीय मामलों की पारदर्शिता और सदस्यों के साथ खुलकर बातचीत करना शामिल है।

सरल आंतरिक नियंत्रणों द्वारा समस्याओं को होने से पहले ही रोका जा सकता है, जैसे कि इस बारे में नियम बनाना कि दान-संस्था के बैंक अकाउंट को कैसे एक्सेस किया जा सकता है और पैसा कैसे खर्च किया जा सकता है।

अंततः, लगातार प्रशिक्षण देने से बोर्ड को अपनी ज़िम्मेदारियों, विशेष रूप से वित्तीय मामलों और हितों के टकराव के प्रबंधन में आत्मविश्वासी रहने में मदद मिलती है।